12

चित्रकारी के मूलाधार

चित्रकारी अपनी रचनात्मकता बढ़ाने हेतु एक प्रबल माध्यम है। इस कौशल में आप एक अन्य प्रकार के सजीव मानस में प्रवेश करते हैं। इसके लिए आप पेंसिल, पेन, मोम रंग या उंगलियों का भी प्रयोग कर सकते हैं। इसके मूलाधार समझना आसान है किंतु प्रवीणता प्राप्त करने के लिए अभ्यास आवश्यक है। एक बार दक्ष होने पर आप अपने द्वारा बनाए गए चित्र से संतुष्ट हो सकते हैं। चित्र बनाने के कुछ मानक हैं। इनकी जानकारी हमें अपने विचार कागज पर चित्रित करने में सहायता करती है। कुछ मानकों को आप जानते एवं प्रयोग करते होंगे। प्रस्तुत पाठ में हम चित्रकारी के मूल कौशल, गोलाकार आकृति बनाने एवं रंग भरने के कौशलों को जानेंगे।

उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ को पढ़ने के बाद, आपः

- चित्रकारी में प्रयुक्त उपकरणों की जानकारी दे पाएंगे;
- चित्रकारी के मूल कौशलों की व्याख्या कर पाएंगे;
- मूल आकृति जैसे गोलाकार, चौकारे, त्रिकोण आदि बना पाएंगे; और
- दो या अधिक रंगों को मिलाकर नए रंगों का निर्माण कर पाएंगे।

12.1 चित्रकारी के लिए आवश्यक उपकरण एवं सामग्री

चित्र 12.1 चित्रकारी सामग्री

हमने अपने बालपन से चित्रकारी करना प्रारंभ किया है। उस समय उपकरण एवं सामग्री हमारे लिए महत्वपूर्ण नहीं थी। एक अच्छी पेंसिल एवं कागज के टुकड़े की आवश्यकता होती थी। निम्न कुछ चित्रकारी के लिए उपयुक्त उपकरण व सामग्री हैं।

1. गुणवत्ता चित्रकारी पेंसिल

यह पेंसिल हार्ड (H) से सॉफ्ट (B) तक उपलब्ध हैं। 9H सबसे सख्त पेंसिल होती है। 9B सबसे नरम पेंसिल होती है। इसके अंतर्गत F (fine) और HB (मध्यम) पेंसिल आती है। H पेंसिल (2H, 3H एवं 4K; सख्त पेंसिल होती है) इनका प्रयोग साफ-सुथरी रेखा बनाने में होता है किंतु यह कागज में छेद भी कर सकती है। इसलिए B पेंसिल नर्म एवं सुंदर होती है।

चित्र 12.2 पेंसिल

पेंसिल की हर ग्रेड आपको जरूरी सेवाएं देती हैं। किंतु किसी भी दवाब से आप उसे और गहरी नहीं कर सकते हैं। इसलिए हम नर्म पेंसिल का प्रयोग करते हैं जो टोन अधिक देती हैं। साथ ही इन्हें मिटाना आसान होता है। कागज पर निशान नहीं छोडती है। इसी कारण से अधिकतर चित्र नर्म पेंसिल से बनाए जाते हैं।

2. रंगीन पेंसिल

रंगीन पेंसिल ग्रेफाईट पेंसिल की भांति ही बनायी जाती है। इसमें रंग को चिकनी मिट्टी एवं किसी जिल्द के साथ जोडा जाता है। मोम का प्रयोग पेंसिल को कागज पर आराम से चलाने के लिए किया जाता है। यह अलग-अलग रंग एवं आकृति में उपलब्ध होती है। कुछ रंगीन पेंसिल नुकीली एवं सपाट रेखाएं बनाती हैं। अन्य रंगीन पेंसिल कागज पर आराम से रंग भरने में प्रयुक्त होती हैं। एक ही रंग समूह के अनेक रंगों के प्रयोग से हम शेड एवं सुंदर चित्र प्राप्त कर सकते हैं।

चित्र 12.3 रंगीन पेंसिल

3. मोम रंग/पेस्टल रंग

लकडी/मोम रंग–

चित्र 12.4 लकडी के बुरादे से रंग

जैसा कि नाम से स्पष्ट है यह रंग लकडी के बुरादे अथवा मोम को मिलाकर बनाया जाता है। यह रंग पेंसिल के रंगों से गहरा होता है और आसानी से मिल जाता है। यह ग्रेफाईट पेंसिल भी सुंदर दिखती है।

4. रबड़ तथा ईरेजर

किसी भी अच्छे रबड़ ईरेजर से हम अपने द्वारा की गयी गलत चित्रकारी को मिटा सकते हैं। यह किसी भी कागज की सतह से टकरा कर मिटाता है।

स्याही

चित्रकारी स्याही विभिन्न रंगों में उपलब्ध होती है। यह पानी में घुलनशील या अघुनलशील होती है। जल घुलनशील स्याही हर स्थान पर उपलब्ध नहीं होती है। किंतु हम दोनों प्रकार की स्याहियों को पानी में मिलाकर अनेक रंग प्राप्त कर सकते हैं।

5. स्केच बुक (Sketch book)/ चित्रकारी कागज (Drawing sheets)

स्केच बुक होना सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। इस बुक में चित्रकार के पास एक पुस्तक होती है जिसमें खाली चित्रकारी कागज होते हैं। यह दैनिक अभ्यास के

लिए महत्वपूर्ण होती है। अत: यह अधिक पन्नों वाली एवं अच्छी गुणवत्ता की होनी चाहिए। सादे कागज खुले शीटस या स्केच बुक अथवा पैड में से निकाले जा सकते हैं। साधारण शीट्स अनेक प्रकार के कागजों से निर्मित होती है। यह आप अपनी आवश्यकता के अनुसार काट का फाड़ सकते है।

6. चित्रकारी बोर्ड एवं अन्य सामग्री (Drawing board)

यदि आप किसी एक कागज पर कार्य कर रहे हैं तो उसे रोकने हेतु आपको चित्रकारी बोर्ड की आवश्यकता होती है। यह ध्यान रखने की बात है कि बोर्ड आपके कागज के आकार का हो तथा उसकी सतह चिकनी हो। चित्रफलक (मेंमज) का भी प्रयोग किसी भी चित्र को लगाकर दिखाने के लिए किया जाता है। अधिकतर चित्रफलक चित्रकार चित्रकारी करते समय प्रयोग करते हैं। यह आसानी से उसके सामने खडे होकर अपना चित्र बना सकते हैं। चित्रफलक हमेशा लगभग 20 डिग्री पर खडा रखा जाता है।

चित्र 12.5 चित्रकारी बोर्ड

7. एक अच्छा पेंसिल शार्पनर

पेंसिल को एक अच्छे पेंसिल शार्पनर से छिलना चाहिए। लकडी के बुरादे की पेंसिल भी ग्रेफाईट पेंसिल की तरह छिल सकती है। मेटल (धातु) के शार्परन प्लास्टिक के शार्पनर से अच्छे होते हैं। आप एक छोटे चाकू से भी पेंसिल शार्प कर सकते हैं।

8. फेल्ट टिप पेन

इस कलम की सहायता से आप अनेक प्रकार के चिह्न बना सकते हैं। यह अनेक प्रकार की रेखाएं बनाने में भी सक्षम है।

9. लकडी के बुरादे से बनी पेंसिल (Charcoal Pencil)

यह पेंसिल लकडी के बुरादे से बनी होती है। साथ ही ग्रेफाइट पेंसिल से अधिक गहरा रंग देती है। यह आसानी से कागज पर प्रयोग की जा सकती है।

10. पेन

बाजार में चित्रकारी करने हेतु अनेक प्रकार के पेन उपलब्ध हैं। तकनीक पर आधारित पेन विशेष रूप से स्केच बनाने के लिए प्रयुक्त होते हैं। इनकी नोक कागज पर अनेक प्रकार के निशान बना देती है। स्याही या काटरिज (Cartridge), पेन, रोलर–बाल, बाल पाइंट, फाइन लाइनर्स एवं विशेष आर्ट पेन भी अनेक प्रकार के स्केच बनाने हेतु उपलब्ध हैं। यह सुंदर एवं समान रेखाओं का निर्माण करते हैं।

12.2 चित्रकारी के आधारभूत कौशल

चित्रकारी एक कौशल एवं अनुप्रयोग है। यह अभ्यास से आपको प्रवीण करता है। यह कौशल सीखा एवं अभ्यास किया जाता है। यह अधिगम विभिन्न स्तरों पर किया जाता है। किसी भी कौशल का आधार कौशल विकसित करना है। प्राकृतिक रूप से आए गए गुणों को भी प्रशिक्षित किया जाता है। यह कौशल कुछ लोगों की प्रकृति में शामिल होती है। उनकी प्राकृतिक कौशलों को अभ्यास एवं प्रशिक्षण से बढ़ाया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति को जिसे चित्रकारी नहीं आती हो, वह अभ्यास से निर्देशों से एवं प्रशिक्षण से बढ़ा सकता है। कुछ मूल चित्रकारी कौशल हैं :

प्रथम कौशल : किनारों को पहचान।

द्वितीय कौशल : आकार एवं स्थानों की पहचान।

तृतीय कौशल : कठिन कौशल–देखना, पहचानना।

चर्तुथ कौशल : हल्का एवं गहरे को देखना।

चित्रकारी के संदर्भ में यह कौशल आपकी निम्न क्षमता को बढ़ाते हैं :

i) किनारे पहचानना।

ii) स्थान पहचानना।

iii) स्थानों एवं कोणों का मापन करना

iv) परछाई को पहचानना एवं

v) 'सब सामान इकट्ठा करना'–यह अचेतन कौशल है।

मूल चित्रकारी तकनीक

चित्रकारी का अभ्यास आपकी रचनात्मकता को बढ़ाता है। आप पेंसिल, पेन, मोम रंग या उंगलियों के प्रयोग से आपकी गतिविधियों एवं रचनात्मकता बढ़ती है। इसका मूलाधार समझना आसान है किंतु अभ्यास से आप अपने कौशल को बढ़ा सकते हैं। इस अभ्यास करने के पश्चात् आप अपने चित्र को पूर्ण करके अपनी प्रशंसा करती है। कुछ मानक चित्रकारी जानने के पश्चात् आप कागज पर अपनी आकृति बना सकते हैं। कुछ मूल आकृतियों से आप पहले से ही परिचित होंगे।

चित्रकारी के मूल आधार के दो भाग हैं :

- अपने हाथों को नियंत्रित करना एवं
- देखना

आइए आरंभ करते हैं

आगे एवं पीछे – इस प्रकार आप अपने चित्रकारी उपकरण को कागज पर फेर कर रंग भरते हैं। आप कितना भी दवाब लगाएं, आपकी चित्रकारी गहरी होती है।

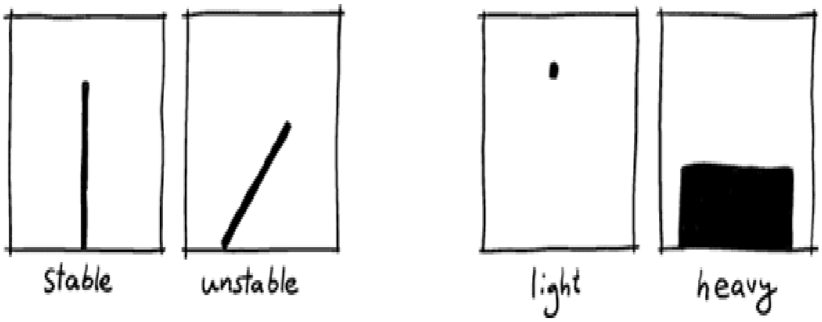

चित्र 12.6 आगे एवं पीछे

Hatching (लाइन बनाना) : हैचिंग का अर्थ है कागज पर छोटे-छोटे लाइन या टिक लगाना। यहां पर सामान्तर रेखाएं बनायी जाती हैं। कोई भी रेखा पास होने पर गहरी नजर आती है किंतु दूरी पर रेखाएं हल्की दिखती हैं। यह हर दिशा में किया जा सकता है।

Cross hatching (चौकोर लाइन बनाना) : इस तकनीक में रेखाओं को एक सारणी में रखा जाता है। यहां सामान्तर रेखाएं एक दूसरे को काटकर चौकोर आकार बनाते हैं।

घसीटना (Scribble) : इसमें आप पूरे कागज में रंग प्रयोग कर सकते हैं। आप पेंसिल को कागज पर अनेक आकार में घुमाकर आकृति बना सकते हैं। जितना आप कागज पर घुमाते हैं उतना ही गहरा नजर आता है।

बिन्दुओं से नक्काशी (Slippling): इसमें कागज पर छोटे-छोटे बिन्दुओं को मिलाकर आकृति बनायी जाती है। जितनी बिन्दुओं की निकटता होगी, उतनी ही गहरी आकृति बनती है।

सामिश्रण (Blending) : यदि आप लकडी का बुरादा या पेंसिल का प्रयोग कर रहे हैं, तो दोनों का मिश्रण करें। आप इन रंगों को अपने कागज पर आगे पीछे कर सकते हैं। आप अपनी उंगली एवं कपड़े का भी प्रयोग कर सकते हैं। ग्रेफाइट को महीन पीस कर पाउडर का भी प्रयोग पेंट ब्रश के साथ किया जा सकता है।

चित्रकारी रेखाएं

किसी भी चित्रकारी का मूल आधार रेखाएं होता है। आप रेखाओं को किस प्रकार कागज पर बनाते हैं, यह आपके चित्र को पूरा करता है। आप अपनी चित्रकारी को साधारण रेखाओं से बना सकते हैं। यह साधारण रेखा आपके चित्र की आधारशिला है।

सीधी रेखाएं : सीधी रेखाओं में आप अपने चित्र को बेहतरीन बना सकते हैं। आप इनसे पहचान सकते हैं कि यह रेखाएं अनेक प्रकार से प्रयुक्त हो सकती है। एक निश्चित दूरी या स्थान पर एक-दूसरे के साथ रखने से यह विशेष आकृति बनाती है।

घुमावदार रेखा (Curved lines) : घुमावदार रेखाओं से आप सुंदर चित्र की रचना कर सकते हैं।

दोहराव रेखा (Repeated lines): यदि आप सीधी एवं घुमावदार रेखाओं का बार-बार प्रयोग करें तो नयी आकृति बना सकते हैं। यह आकृतियां आपको अचरज में डाल सकती हैं।

आकृति एवं रूप

रेखाओं को आपस में जोडकर हमें नयी आकृतियों की पहचान होती है। चाहे वह द्वि-आयामी (2 Dimensiaonal) आकृति हो जैसे चौकोर या गोल या त्रि-आयामी (3D) आकृति जैसे गेंद या डिब्बे आदि या फिर वो आकृति हो आपकी रचना हो, वह आपकी चित्रकारी को एक अलग महत्व प्रदान करती है।

आकृतियों को समझना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि जब यह रेखाएं साथ आती हैं तो यह एक जटिल आकृति होती हैं। उदाहरण के लिए चौकोर आकृति के ऊपर त्रिकोण हिस्से को घर के रूप में बना सकते हैं। कुछ अंडाकार आकृतियां मिलकर कई जंगली या पालतू जानवरों की रचना हो सकती है। एक गेंद या डिब्बा, खोपडी या मानव मस्तिष्क की भांति लग सकता है। हमारे जीवन में देखी जाने वाली हम चीज में हम विभिन्न आकृतियों के प्रयोग से बेहद सुंदर एवं अच्छी प्रकार से बना सकते हैं।

परछाई एवं हल्के रंग

आप अपनी पेंसिल, चाक, रंगीन स्याही, मोम रंग या अन्य किसी सामग्री का उपयोग करके परछाईयां या शेडिंग बना सकते हैं। यह आपकी चित्रकारी को एक नया रंग देती है। किंतु यह भी हमें ध्यान रखना चाहिए कि केवल शेडिंग से ही सुंदर चित्र की प्राप्ति नहीं हो सकती। इसके लिए किन स्थानों पर गहरी शेडिंग या किन पर हल्की शेडिंग का प्रयोग करना चाहिए, यह भी जानकारी होनी चाहिए। यदि हम कागज के कुछ क्षेत्रों में गहरा रंग भरते हैं तो सफेद स्थान त्रि-आयामी आकृति का आभास देता है। इससे आप ऐसे चित्रों का निर्माण कर सकते हैं जो सजीव लगते हैं।

दृष्टिकोण समझना

अपने ज्ञान एवं अनुभव को मूल आकृतियों को जोडकर हम दृष्टिकोण आधारित चित्रों का निर्माण कर सकते हैं। यह आपके चित्रकारी में सहायता प्रदान करता है। यह आपको चित्र रेखा, संरचना आकृति एवं पात्रों के चयन में सहायता करता है। आकृति, संदेश एवं अर्थ को मिलाकर ही एक अच्छे 'चित्र' का निर्माण किया जा सकता है।

12.3 रंगों के सिद्धांत

रंग सिद्धांत रंग प्रयोग की कला एवं विज्ञान दोनों है। यह बतलाता है कि मनुष्य किस प्रकार रंगों को देखता है और उनके मिश्रण को नए रंगों का निर्माण करता है। यह सिद्धांत बतलाता है कि विभिन्न रंग क्या संदेश देते हैं और किन माध्यमों से रंगों को परिवर्तित किया जाता है। रंग हमारे दृष्टिकोण में होते हैं। हमारी आंखें वस्तुएं एवं प्राणियों को देखकर मस्तिष्क में संदेश भेजती हैं। यह संदेश वस्तु का नाम या अन्य कोई विशिष्ट जानकारी (उदाहरण – यह नीला है) हो सकती है। वस्तुएं रोशनी को अलग-अलग दर्शाती हैं। हमारा मस्तिष्क इन तरंगों को

पकडकर रंग बतलाता है। हम रंगों को प्रकाश एवं तरंगों की दृष्टि से देखते हैं। रंगों को मिलाने से अन्य नए रंगों का निर्माण होता है। उदाहरण-लाल, हरा एवं नीला मिलाकर अलग-अलग शेडस के रंग बनते हैं। आप जितना चमकदार (Bright) रंग मिलाएंग उतना ही वह रंग की शेड्स हल्की होगी। यहां आप यह तीन रंग शुद्ध रूप में मिश्रित करेंगे तो आपको सफेद रोशनी मिलेगी।

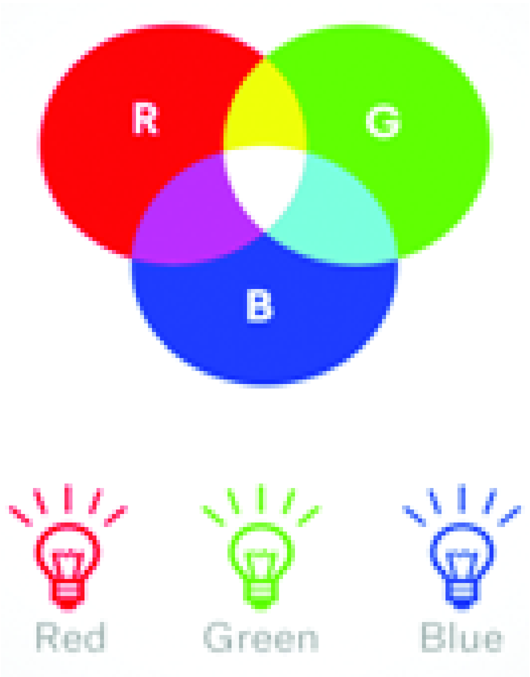

चित्र 12.7 रंग सिद्धांत

रंग सिद्धांत के अधीन रंगों को पहिए पर लगाया जाता है। रंगों को तीन प्रकार से बांटा जाता है-प्राथमिक रंग, द्वितीय रंग एवं तृतीय रंग।

रंग-पहिया में निम्न रंग शामिल होते हैं-

- तीन प्राथमिक रंग - लाल, पीला, नीला।
- तीन द्वितीय रंग - यहां रंग प्राथमिक रंगों के मिलाकर बनाए जाते हैं-हरा, संतरी एवं बैंगनी तथा
- छः तृतीय रंग-यह रंग प्राथमिक एवं द्वितीय रंगों को मिलाकर बनाया जाता है-नीला-हरा या लाल-बैंगनी।

इस पहिए के मध्य से रेखा खींच कर आप गर्म एवं ठंडे रंगों को अलग कर सकते हैं। लाल, संतरी एवं पीला (warm) गर्म रंग हैं तथा नीला, हरा एवं बैंगनी (cool) यानि ठंडे रंग माने जाते हैं।

गर्म रंगों को ऊर्जा, चमक एवं क्रिया में जोडा जाता है तथा ठंडे रंग को शांति, धैर्य एवं एकांत के लिए माना जाता है। जब आप रंगों के प्रकार को जानते हैं तो यह आपके चित्र, उसके अनुरुप एवं रंगों के चुनाव को प्रभावित करता है।

हृूथ, शेड्स, टिंट एवं टोन

हयू का अर्थ है तरंगों के आधार पर रंग का चुनाव करना। टिंट (हल्का या गहरा रंग), शेड्स आदि सब रंग पहिए पर प्राप्त होते हैं। टिंट को हयू में सफेद मिलाकर बनाया जाता है। उदाहरण के लिए-लाल+सफेद-पिंक। शेड्स एक हयू होती है जिसका आधार रंग काला होता है। उदाहरण शेड्स (काले) रंग पर टिंट (पिंक) करना। अन्य उदाहरण है, लाल+काला-सरगंडी। रंग पर टोन बनायी जाती है। टोन का तात्पर्य किसी भी रंग में काला या सफेद (ग्रे) को मिलाने से है। यह मूल हयू रंग को गहरा अवश्य करता है किंतु चित्र पर यह रंग सुंदर एवं कम तरंग देता है।

पाठगत प्रश्न 12.1

I. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

1. चित्रकार .... का प्रयोग अपने चित्र बनाने की सहायता के लिए करते हैं।
2. .... सबसे सख्त तथा .... सबसे नर्म पेंसिल होती है तथा भ्ठ पेंसिलों की मध्यम वर्ग को कहते हैं।
3. रेखाओं को जोडने से .... प्राप्त होती है।
4. छोटे-छोटे बिन्दुओं की सहायता से चित्र बनाना .... कहलाता है।
5. रंगों को रंग पहिए पर बनाते हैं तथा इन्हें .... प्रकार से विभाजित करते हैं।

आपने क्या सीखा

- चित्रकारी ने मूल उपकरण
- चित्रकारी के मूल कौशल
- मूल आकृति जैसे गोलाकार, त्रिकोण एवं चौकोर आदि बनाना।
- दो या अधिक रंगों को मिलाकर नए रंगों का निर्माण करना।

पाठांत प्रश्न

1. चित्रकारी में प्रयुक्त किन्हीं 10 उपकरणें की सूची बनाकर संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।
2. चित्रकारी के मूल कौशलों की व्याख्या कीजिए।
3. रंग सिद्धांत का विवरण दीजिए।

उत्तरमाला

12.1

1. चित्रफलक
2. 9H, 9B
3. आकृति
4. Stuplpling (बिन्दुओं से नक्काशी)
5. तीन